A **(Printed Pages 3)**

Roll. No. _____

AS-1948

M.A. (Semester-IV) Examination, 2015

A.I.H.

(Group-B)

Paper-XVIII

[Religions of Ancient India-II (From the Earliest Times up to 7th Century A.D.)]

Time Allowed : Three Hours] ***[Maximum Marks : 100***

Note : Answer **five** questions in all. Question **No.1** is **compulsory**. Attempt **one** question from each unit.

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न **सं.1 अनिवार्य** है। प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न कीजिए।

1. Write short notes on the following :

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः

(i) Foreign influence on Sun-worship

सूर्य पूजा पर विदेशी प्रभाव

(ii) Vyûhavâda in Vaishnavism

वैष्णव धर्म में व्यूहवाद

(iii) Kâpâlika Sect

कापालिक सम्प्रदाय

(iv) Avatarvada

अवतारवाद

(v) Makhali Gosala: His life

मक्खलि गोसालः जीवन चरित

Unit-I / इकाई-I

2. Trace the origin and development of Vaishnavism up to the Gupta period.

गुप्तकाल तक वैष्णव धर्म के उद्भव एवं विकास को रेखांकित कीजिए।

3. Write an essay on Pancharatra Sect.

पांचरात्र-सम्प्रदाय पर एक निबन्ध लिखिए।

Unit-II / इकाई-II

4. Trace the development of Úaivism up to the Gupta period.

गुप्तकाल तक शैव धर्म के विकास का निरूपण कीजिए।

5. Throw light on Pasupata Sect.

पाशुपत सम्प्रदाय पर प्रकाश डालिए।

Unit-III/ इकाई-III

6. Describe in brief the development of Ganapati-worship in ancient India.

प्राचीन भारत में गणपति पूजा के विकास का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

7. Give an account of the origin and development of Úakti worship in ancient India.

प्राचीन भारत में शक्ति-पूजा की प्राचीनता एवं विकास का विवरण दीजिए।

Unit-IV / इकाई-IV

8. Bring out the salient features of the Âjivika Sect.

आजीविक सम्प्रदाय की प्रमुख विशेषताओं का निरूपण कीजिए।

9. Throw light on Sun-worship in ancient India.

प्राचीन भारत में सूर्य-पूजा पर प्रकाश डालिए।